आधुनिक भाषा-विज्ञान

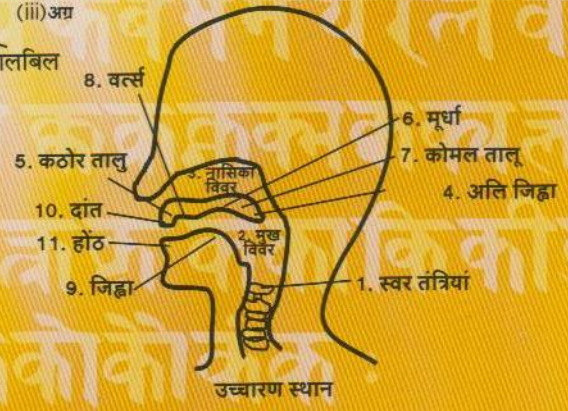

डॉ. विवेक शंकर

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(माध्यमिक शिक्षा और उच्चतर शिक्षा विभाग)
भारत सरकार

॥ राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी ॥

विषय-सूची

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ
1.	**भाषा (Language)** 1. भाषा-अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं महत्त्व 2. भाषा की उत्पत्ति के सिद्धांत 3. भाषा-विभाषा एवं बोली 4. भाषा की प्रकृति: प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ 5. भाषा के विविध रूप 6. भाषा-परिवर्तन के कारण 7. भाषा-परिवर्तन की दिशायें 8.संसार की भाषाओं के वर्गीकरण के आधार 9.संसार की भाषाओं का आकृतिमूलक आधार पर वर्गीकरण 10.संसार की भाषाओं का पारिवारिक आधार पर वर्गीकरण	1-43
2.	**भाषा-विज्ञान (Linguistics)** 1. भाषाविज्ञान की परिभाषा 2. भाषाविज्ञान का नामकरण एवं क्षेत्र 3. भाषाविज्ञान के अंग 4. भाषाविज्ञान के अध्ययन की पद्धतियाँ 5. भाषाविज्ञान विज्ञान है अथवा कला 6. भाषाविज्ञान का अन्य ज्ञान-विज्ञानों से संबंध 7. भाषाविज्ञान के क्षेत्र में भारतीय देन 8. भाषाविज्ञान के क्षेत्र में पाश्चात्य देन	44-75
3.	**ध्वनि-विज्ञान (Phonetics)** 1. ध्वनि-विज्ञान क्या है? ध्वनि किसे कहते हैं? 2. ध्वनि-विज्ञान की शाखायें 3. ध्वनि-उत्पत्ति की प्रक्रिया एवं वाग्यंत्र 4. ध्वनियों के वर्गीकरण के आधार 5. हिन्दी-ध्वनियों के भेद एवं हिन्दी-ध्वनियाँ 6. विभिन्न आधारों पर स्वरों का वर्गीकरण 7. मानस्वर 8. संयुक्त स्वर 9. व्यंजनों का वर्गीकरण 10. ध्वनि-गुण 11. अक्षर 12. ध्वनि-परिवर्तन के कारण 13. ध्वनि-परिवर्तन की दिशाएँ 14. ध्वनि-नियम	76-122

4. **स्वनिम-विज्ञान (Phonemics)** 123-135

1. स्वनिम-विज्ञान 2. स्वनिम-अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप 3. स्वनिम की विशेषताएँ 4. स्वनिम की उपयोगिता 5. स्वनिम के भेद 6. संस्वन-अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ 7. स्वनिम एवं संस्वन में अंतर 8. स्वनिम-संस्वन का विश्लेषण एवं निर्धारण 9. हिन्दी के स्वनिम

5. **पद-विज्ञान (Morphology)** 136-164

1. पद विज्ञान-परिचय 2. शब्द एवं पद-स्वरूप एवं अंतर 3. अर्थतत्त्व एवं संबंधतत्त्व-परिभाषा एवं संबंध-तत्त्व के प्रकार 4. पद-विभाग 5. व्याकरणिक-कोटियाँ 6. रूप-परिवर्तन के कारण 7. रूप-परिवर्तन की दिशाएँ 8. रूपिम विज्ञान-परिचय 9. रूपिम एवं रूपिम के प्रकार 10. संरूप 11. रूप स्वनिम-विज्ञान

6. **वाक्य-विज्ञान (Syntax)** 165-187

1. वाक्य-विज्ञान-परिचय 2. वाक्य की परिभाषा एवं तत्त्व 3. वाक्य के निकटस्थ अवयव 4. वाक्य-विश्लेषण 5. वाक्य के प्रकार 6. वाक्य-परिवर्तन: अर्थ एवं कारण 7. वाक्य-परिवर्तन की दिशाएँ

7. **अर्थ-विज्ञान (Semantics)** 188-223

1. अर्थ-विज्ञान क्या है? 2. अर्थ-परिभाषा एवं स्वरूप 3. अर्थ-लक्षण एवं महत्त्व 4. अर्थज्ञान की प्रक्रिया 5. अनेकार्थक शब्दों का अर्थ-निर्धारण 6. शब्द एवं अर्थ का संबंध 7. अर्थबोध (संकेतग्रह) के साधक तत्त्व 8. अर्थबोध (संकेतग्रह) के बाधक तत्त्व 9. अर्थ-परिवर्तन (अर्थ-विकास) के कारण 10. अर्थ-परिवर्तन (अर्थ-विकास) की दिशाएँ 11. बौद्धिक-नियम

8. **हिंदी-भाषा (Hindi-Language)** 224-274

1. प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ 2. मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ 3. आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ 4. हिंदी-भाषा का उद्भव-विकास 5. हिंदी की उपभाषाएँ और बोलियाँ—(i) पश्चिमी हिंदी (ii) पूर्वी हिंदी बोली (iii) राजस्थानी हिंदी (iv) पहाड़ी हिंदी (v) बिहारी हिंदी 6. हिंदी के शब्द-भंडार

9. **लिपि एवं देवनागरी लिपि (Script & Devnagari Script)** 275-296
1. लिपि एवं लिपि का विकास 2. संसार की प्रमुख लिपियाँ 3. भारतीय लिपियाँ-सैंधव लिपि, ब्राह्मी लिपि एवं खरोष्ठी लिपि 4. देवनागरी लिपि की विशेषताएँ 5. देवनागरी लिपि के दोष 6. देवनागरी लिपि में सुधार हेतु प्रयत्न 7. देवनागरी लिपि का मानकीकरण

परिशिष्ट: 1-2 297-351

संदर्भ ग्रन्थ-सूची 352-355

□□□